मेरे दिल में रहने वाले मुझसे नकाब क्यों

मेरे दिल में रहने वाले मुझसे नकाब क्यों,
इतना मुझे बतादे मुझसे छुपा है क्यों,
मेरे दिल में रहने वाले मुझसे नकाब क्यों,

क्यों निष् बल दाती के बीत गये हम हार गये तुम जीत गये,
पट खोल उजारन आई है तेरे द्वार पड़े युग बीत गये,
मैंने तो ये सुना तुम हो दया के सागर,
लाखो को तूने तारा मुझसे जवाब क्यों,
मेरे दिल में रहने वाले मुझसे नकाब क्यों,

मेरे इस दिल की उजड़ी बस्ती में आप आते तो पाप क्यों आते,
जिस बस्ती में आप नहीं बस्ते उस बस्ती में पाप बस्ते है,
मेरे गुनाह है लाखो ये भी तो मैंने माना,
ओरो से कुछ न पूछा मुझे हिसाब क्यों,
मेरे दिल में रहने वाले मुझसे नकाब क्यों,

दिल दियाँ ये मेरे इतवार की हद थी जान दी ये मेरे प्यार की हद थी,
मर गये हम खुली रहे आंखे ये तेरे इंतज़ार की हद थी ,
तूने जिसको भी अपनाया उसको खुदा बनाया,
उसका नसीब अच्छा मेरा खराब क्यों,
मेरे दिल में रहने वाले मुझसे नकाब क्यों,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13779/title/mere-dil-me-rehne-vale-mujhse-nakaad-kyu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |